बिहार में हुए 2009 और 2014 के आम चुनाओं से प्राप्त आंकड़ों के अध्ययन से बिहार की महिला उम्मीदवारों की लोक सभा चुनावों में स्थिति।

डॉ ज्योति कुमारी
तिलका मांझी भागलपुर विश्वविद्यालय
भागलपुर, बिहार

सारांश :- किसी भी देश की राजनीति में महिलाओं की भागीदारी हमेशा से रही है किन्तु इस क्षेत्र में सदैव ही पुरुषों की संख्या अधिक रही है। महिलायें केवल गिनती भर हैं। आधी आबादी होने के बावजूद इनकी संख्या राजनीति में इतनी कम है कि अब महिला आरक्षण की बातें उठने लगी हैं। लोक सभा में कुल 543 सदस्यों में केवल 62 महिलाएं ही हैं जो भारतीय राजनीति में महिलाओं की स्थिती को स्वत ही दर्शाती हैं। इस लेख में बिहार में 2009 और 2014 के आम चुनाओं का अध्ययन किया गया है और इस अध्ययन से निकले निष्कर्ष से महिलाओं का राज्य व देश की राजनीति में प्रभुत्व बढ़ाने के उपाय सुझाने का प्रयास किया गया है।

लेख :–

लोक सभा - लोकसभा का गठन वयस्क मतदान के आधार पर प्रत्यक्ष चुनाव द्वारा चुने गए जनता के प्रतिनिधियों से होता है। सभा के सदस्यों की संख्या 552 है जिसमे 530 सदस्य राज्यों का, 20 सदस्य संघ राज्य क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं। और महामहिम राष्ट्रपति महोदय आंग्ल भारतीय समुदाय से अधिकतम 2 सदस्यों को नामित करते हैं। कुल निर्वाचित सदस्यता राज्यों में इस प्रकार वितरित की गई है कि प्रत्येक राज्य को आवंटित सीटों की संख्या और उस राज्य की जनसंख्या के मध्य अनुपात सभी राज्यों के लिए सामान रहे। इनके सदस्यों का कार्यकाल 5 साल का होता है लेकिन इसे समय से पहले समाप्त भी किया जा सकता है।

लोकसभा में बिहार -भारत की राजनीति में बिहार की बहुत बड़ी हिस्सेदारी है। उत्तर प्रदेश (80), महाराष्ट्र (48) और पश्चिम बंगाल (42) के बाद सबसे अधिक सांसद लोकसभा में बिहार (40) से हैं।

लोक सभा मे महिलाओं की संख्या- 16वें लोकसभा (2014) में कुल 62 महिलाएं थी। ये लोक सभा के इतिहास में सर्वाधिक (11.3%) है। वहीँ 15वें लोकसभा (2009) में कुल 58 महिलाएं थीं। देश की पहली लोकसभा (1952) में महिलायीं 5% थीं। 2009 में ये 11% थी। लोकसभा में महिलाओं का न्यूनतम प्रतिशत 1977 (4%) में था।

महिला आरक्षण बिल – भारत में लम्बे समय से महिलाओं के लिए संसद में आरक्षण की आवाज़ उठ रही है। ये बिल 1996 में पहली बार पेश हुआ था और 2010 में राज्यसभा से पास हो गया था लेकिन लोकसभा से पास नहीं हुआ। इस बिल में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण की मांग की गई है।

अन्य देशों में महिला आरक्षण – करीब 40 अन्य देश हैं जहाँ महिलाओं को संसद में आरक्षण उपलब्ध है। इनमे हमारे पडोसी देश नेपाल (3%), बांग्लादेश (13%) और पाकिस्तान (17.5%) भी हैं जिन्होने महिलाओं को राजनीति में आरक्षण प्रदान किया है। इंडोनेशिया, किर्गिस्तान तथा उज्बेकिस्तान में महिलाओं को 30% कोटा मिला हुआ है। अफ़्रीकी देश रवांडा (30%) और नाइजर (10%) में भी महिलाओं के लिए आरक्षण व्यवस्था है।

लोक सभा में बिहार की महिलाओं की संख्या का अन्य राज्यों की महिलाओं की संख्या से तुलना :- 16वें लोकसभा में सर्वाधिक निर्वाचित महिलाएं उत्तर प्रदेश (13) से हैं। इसके बाद पश्चिम बंगाल (12), महाराष्ट्र (5), मध्य प्रदेश (5) तमिलनाडु (4) और गुजरात (4) हैं। बिहार से केवल 3 महिलाएं लोकसभा के लिए निर्वाचित हुई हैं।

बिहार में हुए 15वें और 16वें लोकसभा चुनावों के आंकड़ो का अध्ययन :- टेबल में दिए आंकड़ों के अध्ययन से ये तो स्पस्ट है कि महिलाओं की भागीदारी चुनावों में पुरुषों की तुलना में अत्यधिक कम है जो उनके जीतने की संभावनाओं को भी कम कर देती हैं। लेकिन ये आंकड़े एक तथ्य और सामने रख रहे हैं कि केवल ज्यादा संख्या या प्रतिशत में महिलाओं की चुनावों में भागीदारी उनकी जीत सुनिश्चित नहीं करती।

2009 में कुल उम्मीदवारों की संख्या 672 थी जिनमे 46 महिला उम्मीदवार थीं जो कुल उम्मीदवारों का 6.84 प्रतिशत है।

वहीँ 2014 के चुनाव में कुल उम्मीदवारों की संख्या 607 थी जिनमे 47 महिला उम्मीदवार थीं जो कुल उम्मीदवारों का 7.74 प्रतिशत है।

2009 के चुनाव में कुल 46 महिला उम्मीदवारों में से 4 महिलाएं विजयी हुई जो कुल महिला उम्मीदवारों का 8.69 प्रतिशत है।

वहीँ 2014 के चुनाव में कुल 47 महिला उम्मीदवारों में 3 महिलाएं विजयी हुई जो कुल महिला उम्मीदवारों का 6.38 प्रतिशत है।

2009 के चुनाव में 40 क्षेत्रों में से केवल 25 क्षेत्रों से ही महिला उम्मीदवार खडी हुई। 15 क्षेत्रों से कोई महिला प्रतिभागी खडी ही नहीं हुई। यानी 37.5% क्षेत्रों से कोई महिला प्रतिभागी थी ही नहीं।

2014 के चुनाव में 40 क्षेत्रों में से केवल 31 क्षेत्रों से ही महिला उम्मीदवार खडी हुई। 9 क्षेत्रों से कोई महिला प्रतिभागी खडी ही नहीं हुई। अर्थात 22.5% क्षेत्रों से कोई महिला प्रतिभागी नहीं थी।

यदि अधिक संख्या में भागीदारी ही एक मात्र कारक होता महिलाओं की जीत की संख्या बढ़ने का तो 2014 में जीतने वाली महिलाओं की संख्या 2009 में जीतने वाली महिलाओं की संख्या से अधिक होती।

महिलाओं के निर्वाचन की संख्या बढाने हेतु सुझाव :-

- **जागरूकता** – राजनीति की जागरूकता बहुत ज़रूरी है महिलाओं की लोकसभा में हिस्सेदारी बढाने के लिए परन्तु ये जागरूकता केवल उन्ही महिलाओं के लिए आवश्यक नहीं है जो चुनाव में खडी होती हैं बल्कि बाकी महिलाओं और पुरुषों (मतदाता) को भी इस बारे में जागरूक होने की ज़रुरत है कि महिलाएं भी एक कुशल नेता बन सकती हैं।

- **भागीदारी में वृद्धि** – माना ये आंकड़े यह कहते हैं की ज्यादा भागीदारी के बाद भी परिणाम कम आया लेकिन यह हर बार हो ऐसा ज़रूरी नहीं है। कई निर्वाचन क्षेत्रो से एक भी महिला प्रभागी नहीं थी जिससे उनकी जीत की संभावनाएं स्वत समाप्त हो जाती हैं। यदि सभी क्षेत्रो से महिलाएं ज्यादा संख्या में खड़ी होंगी तो जीत की संभावनाएं बढेंगी और लोकसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढेगा।
- **महिला आरक्षण** – भारत में राजनीति पुरुष प्रधान मानसिकता की है। बिना आरक्षण महिलाओं की राजनीतिक स्थिति में सुधार लाना बहुत मुश्किल है। विधायी संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी ना के बराबर होने के कारण वो अपनी आवाज़ नहीं उठा पाती। यदि महिलाओं को आरक्षण दिया गया तो उनका प्रतिशत विधायी संस्थानों में बढेगा और वो खुल कर महिलाओं के हित में आवाज़ उठाएंगी। और ये अन्य महिलाओं को भी राजनीति में आने के लिए प्रेरित करेगी।

	2014				2009				
	निर्वाचन क्षेत्र	कुल उम्मीदवार	महिला उम्मीद्वार	महिला %	विजेता	कुल उम्मीदवार	महिला उम्मीद्वार	महिला % लगभग	विजेता
1	वाल्मीकि नगर	14	0	0	पुरुष	16	0	0	पुरुष
2	पश्चिम चंपारण	12	0	0	पुरुष	11	0	0	पुरुष
3	पूर्वी चंपारण	15	0	0	पुरुष	12	0	0	पुरुष
4	शिवहर	15	2	13.33	**महिला**	15	2		**महिला**
5	सीतामढ़ी	19	0	0	पुरुष	16	0	0	पुरुष
6	मधुबनी	11	1	9.09	पुरुष	14	0	0	पुरुष
7	झांझरपुर	19	1	5.26	पुरुष	11	0	0	पुरुष
8	सुपौल	12	1	8.	**महिला**	16	2	12.5	पुरुष
9	अररिया	13	1	7.69	पुरुष	25	2	8	पुरुष
10	किशनगंज	10	0	0	पुरुष	15	0	0	पुरुष
11	कटिहार	21	1	4.76	पुरुष	16	2	12.5	पुरुष
12	पुर्णिया	17	0	0	पुरुष	20	3	15	पुरुष
13	मधेपुरा	12	1	8.33	पुरुष	17	0	0	पुरुष
14	दरभंगा	15	0	0	पुरुष	14	1	7.14	पुरुष
15	मुजफ्फरपुर	29	1	3.44	पुरुष	24	2	8.33	पुरुष
16	वैशाली	22	2	9.09	पुरुष	12	1	8.33	पुरुष
17	गोपालगंज (एस.सी)	14	2	14.28	पुरुष	16	3	18.75	पुरुष
18	सिवान	13	1	7.69	पुरुष	15	3	20	पुरुष
19	महाराजगंज	10	1	10	पुरुष	13	0	0	पुरुष
20	सारण	11	1	9.09	पुरुष	12	0	0	पुरुष
21	हाजीपुर (एस.सी)	15	2	13.33	पुरुष	11	1	9.09	पुरुष
22	उजियारपुर	19	3	15.78	पुरुष	22	1	4.54	**महिला**
23	समस्तीपुर	12	0	0	पुरुष	11	1	9.09	पुरुष

	(एस.सी)								
24	बेगुसराय	12	1	8.33	पुरुष	19	1	5.26	पुरुष
25	खगरिया	13	1	7.69	पुरुष	18	2	11.11	पुरुष
26	भागलपुर	18	3	16.66	पुरुष	21	0	0	पुरुष
27	बांका	17	1	5.88	पुरुष	16	0	0	पुरुष
28	मुंगेर	13	1	7.69	**महिला**	20	0	0	पुरुष
29	नालंदा	22	2	9.09	पुरुष	25	2	8	पुरुष
30	पटना साहिब	19	1	5.26	पुरुष	16	0	0	पुरुष
31	पाटलिपुत्र	20	1	5	पुरुष	16	2	12.5	पुरुष
32	आरा	12	1	8.33	पुरुष	16	2	12.5	**महिला**
33	बक्सर	16	2	12.5	पुरुष	22	1	4.54	पुरुष
34	सासाराम (एस.सी)	11	3	27.27	पुरुष	16	3	18.75	**महिला**
35	करकट	15	3	20	पुरुष	16	2	12.5	पुरुष
36	जहानाबाद	15	1	6.66	पुरुष	25	2	8	पुरुष
37	औरंगाबाद	13	3	23.07	पुरुष	16	1	6.25	पुरुष
38	गया (एस.सी)	13	1	7.69	पुरुष	16	1	6.25	पुरुष
39	नवादा	17	1	5.88	पुरुष	21	3	14.28	पुरुष
40	जमुई (एस.सी)	11	0	0	पुरुष	19	0	0	पुरुष
		607	47	7.74	3	672	46	6.84	4

टेबल 1

सन्दर्भ सूची :–

वेबसाइट

1. eci.nic.in/eci_main1/ElectionStatistics.aspx
2. archive.indianexpress.com/news/india-set-to-join-40-nations-in-reserving-parl-seats-for-women/588823/